पाठ 1. नव वसंत

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. नए-नए फूलों में सजकर नव वसंत मुसकराते हुए आता है।
2. सरस्वती पूजन फरवरी माह में किया जाता है।
3. चारों दिशाओं में अपनी मोहक और मीठी आवाज़ में गीत सुनाकर कोयल ने वसंत का स्वागत किया।

III. लिखित कौशल

1. (क) वसंत आने पर खेतों की क्यारियों में सरसों के फूल खिल जाते हैं और तिल के पौधे हरे-भरे हो जाते हैं। बगीचे विभिन्न प्रकार के मनोहारी फूलों गुलाब, गेंदा आदि से सज जाते हैं। चारों तरफ़ हरियाली देख आनंद और खुशी का माहौल होता है।

   (ख) वसंत ऋतु में चारों ओर फैली हरियाली, सरस्वती पूजन की बेला पर खेलते-गाते बच्चे खुशी और समृद्धि का अहसास दिलाते हैं। प्राकृतिक सुंदरता और धन-धान्य से परिपूर्ण फ़सलें खुशहाली लाती हैं। इस प्रकार वसंत का खुशियों से घनिष्ठ संबंध है।

   (ग) यह फूलों का देश सुहाना से कवि का आशय यह है कि हमारे देश भारत का प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली की छटा अद्भुत है। यह देश फूलों से हरा-भरा तथा प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। यहाँ वसंत ऋतु रंग-बिरंगे फूलों के साथ हरियाली और समृद्धि लेकर आती है।

   (घ) तेज़ बहती नदी कहती जाती है कि अपने जीवन पथ पर हमेशा आगे बढ़ते रहो। चाहे कोई भी मुश्किल आए कभी भी रुको मत। तुम सब बच्चे इस देश के वीर सिपाही हो।

   (ङ) 'मस्तक अभिमानी' का अर्थ है कि तुम्हारा सिर गर्व से हमेशा ऊँचा रहे और आत्मगौरव की भावना कायम रहे।

2. (क) कोयल की मीठी आवाज़ सुनाई देने लगती है।

   (ख) खेतों की क्यारी सरसों और तीसी से हरी-भरी हो जाती है।

   (ग) फुलवारी गुलाब, गेंदा, अरहुल आदि फूलों से सज जाती है।

   (घ) सरोवर अर्थात तालाब में कमल के फूल खिल जाते हैं।

3. हमारा देश फूलों से हरा-भरा और प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है तथा तुम सभी बच्चे इसके रक्षक हो। तुम्हारा कर्तव्य है कि इस देश की सुंदरता को अक्षुण्ण बनाए रखो। कवि कह रहे हैं कि सभी मिलकर प्रण करो कि देश का गौरव हमेशा ऊँचा रहे और आत्म-गौरव की भावना कायम रहे।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. तेज़ बहती नदी देश के बच्चों को यह संदेश दे रही है कि तुम सब इस देश के वीर सिपाही हो। जीवन पथ में कभी रुकना नहीं और मुश्किलों के सामने कभी सिर झुकाना नहीं। हमेशा अपने जीवन में आगे ही बढ़ते रहना। आत्मविश्वास और धैर्य के साथ आगे बढ़ने से जीवन की कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं।
2. कवि ने बच्चों से वीर सिपाही बनकर देश की रक्षा करने तथा इसके गौरव और आत्मसम्मान से उठे मस्तक को हमेशा ऊँचा रखने का प्रण लेने के लिए कहा है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) पुष्प, सुमन, कुसुम

   (ख) तालाब, सर, कुंड

   (ग) कमल, नीरज, जलज

   (घ) वीणापाणि, भारती, शारदा

   (ङ) तटिनी, सरिता, तरंगिणी

(च) बगीचा, वाटिका, उपवन

2. अनुस्वार – वसंत, कुंज, मंजरी

अनुनासिक – विहँस, हँसा, हँस

3. (क) क्यारी, वाक्य, क्या (ख) बस्ता, रास्ता, मस्तक (ग) स्वच्छ, स्वस्थ, स्वप्न (घ) नन्हे, उन्होंने, उन्हें

4. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

5. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (iv) (घ) (iii) (ङ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 2. जुम्मन का दर्द

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. जुम्मन दर्ज़ी था।
2. लेखक के पिता जी और जुम्मन मित्र थे।
3. लेखक जब अपने संबंधी के लड़के के विवाह में आठ साल बाद गाँव गए थे तब उन्होंने जुम्मन को आखिरी बार देखा था।
4. जब गाँव के लोगों को मशीन के बने विलायती कपड़े पसंद आने लगे तब उन्होंने जुम्मन के हाथ के बने कपड़े लेने बंद कर दिए जिससे उनकी आमदनी बंद हो गई थी। इसलिए जुम्मन के घर में उपवास रहने लगे थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) जुम्मन गर्व से कहा करते थे कि सात पीढ़ी से मेरे यहाँ दर्ज़ी का धंधा हो रहा है, बाबू! कपड़ा फटने से पहले यदि सिलाई उधड़ जाए तो मैं अपना हाथ कटा दूँ। सिलाई तो मैंने अपने बूढ़े दादा की गोदी में बैठकर उस समय से सीखी है, जब साफ़-साफ़ बोलना भी नहीं आता था।

   (ख) जुम्मन कभी काम को बेगार की तरह नहीं किया करते थे क्योंकि गाँव में सभी को वे अपना मानते थे। कोई उनका भाई था तो कोई भतीजा, कोई नाती था तो कोई चाचा। कौन कब कितनी सिलाई देता है उन्हें इसकी चिंता नहीं थी।

   (ग) दशहरा, होली, ईद के पहले जुम्मन को साँस लेने का भी अवकाश नहीं मिलता था क्योंकि त्योहारों के समय उनके पास बहुत अधिक काम हो जाता था। दोनों बेटों के साथ मिलकर काम करने के बावजूद कपड़ों का ढेर समाप्त नहीं होता था।

   (घ) 'जुम्मन तो पूरे ग्राम-परिवार के प्राणी थे।' इसका अभिप्राय यह है कि जुम्मन कभी अपने आपको अलग नहीं समझते थे। वे पूरे गाँव को अपना परिवार और सगे-संबंधी समझते थे। शादी-ब्याह पर वे बिना सिलाई के कपड़े सिलते थे। ऐसा नहीं था कि सिलाई के बदले सभी उन्हें पैसे ही दें। गाँव के लोग उन्हें दूध-दही, अनाज, खपरैल आदि भी दे देते थे। वे सभी का काम अच्छे से करते थे।

   (ङ) जुम्मन ने लेखक के पिता के बारे में कहा कि जब तक उनके पिता जी की तरह पुराने विचारों के लोग गाँवों में रहे, जुम्मन के सिले कपड़ों की कदर रही, पर उन लोगों के चले जाने के बाद जुम्मन की कमर ही टूट गई।
2. (क) मौलवी साहब (ख) संसार भर (ग) मजाल, सिलाई (घ) बारहों महीने (ङ) सगे (च) ग्राम-परिवार (छ) रौनक

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. जुम्मन का सबसे बड़ा दर्द यह था कि अब पास-पड़ोस में जब शादी-ब्याह होता है तो उन्हें कोई नहीं पूछता। एक दिन था जब गाँव की जितनी शादियाँ हुईं, जुम्मन के सिले हुए जामे-जोड़े को पहनकर हुई थीं। यह बताते हुए उनकी आँखें भर आई थीं।
2. हाँ, आत्मीयता का अभाव रिश्तों को कमज़ोर कर देता है क्योंकि समय के साथ चीज़ें तो बदलती रहती हैं लेकिन आपसी प्रेम और आत्मीयता ही रिश्तों को जोड़े रखती है। परिवर्तन संसार का नियम है और इसी परिवर्तन और बदलाव के साथ बदलते समाज को जुम्मन कहानी के द्वारा उद्घाटित किया गया है। आधुनिक युग में मशीनों के आवागमन के साथ हमारे समाज के अमूल्य धरोहर हस्त-कारीगरों का जीवन-संघर्ष बढ़ता गया। उनके काम और कौशल को वो सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिनके वे हकदार हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) तार-तार होना – पूरी तरह से नष्ट होना

   (ख) छाती फटना – बहुत दुख होना

   (ग) मुँह चुराना – सामने न आना

   (घ) कमर टूटना – हिम्मत खो देना
2. (क) मिट्टी के बरतन बनाने वाला (ख) सामान खरीदने वाला (ग) देखने वाला (घ) कपड़े बुनने वाला

   (ङ) गाय चराने वाली (च) कई पीढ़ियों से

3. (क) पुश्तैनी (ख) अच्छे (ग) पुरानी, गंदा (घ) उनके, नए (ङ) मेरे, महँगी (च) गीली

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1–4. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

5. सब्यसाची मुखर्जी, रितु कुमार, मनीष मल्होत्रा, मसाबा गुप्ता

पाठ 3. बड़े भाई को पत्र

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. इस पत्र के लेखक डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद जी हैं।

2. राजेंद्र प्रसाद जी सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी में सम्मिलित होना चाहते थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) राजेंद्र प्रसाद जी करीब बीस दिन पहले गोखले जी से मिले थे।

(ख) पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से गोपाल कृष्ण गोखले जी की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने की अनुमति माँगी है।

(ग) राजेंद्र प्रसाद जी ने देश-सेवा के काम आने की महत्त्वाकांक्षा के बारे में बताया है।

(घ) पत्र के अंत में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई के प्रति अनुमति मिलने की आशा प्रकट की क्योंकि उनकी दृष्टि में उनके भाई ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए रुपए-पैसे तुच्छ वस्तु है और देश-सेवा ही सब कुछ है।

2. (क) प्रस्ताव (ख) गरीब (ग) अनुमति (घ) हासिल (ङ) दरिद्र

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ में राजेंद्र बाबू के देश-प्रेम, परिवार की ज़िम्मेदारियों को समझना एवं पालन करना, बड़ों का सम्मान करना तथा आज्ञापालन जैसे मानवीय गुणों का उल्लेख किया गया है।

2. 'पत्र लिखकर अनुमति माँगना' बड़ों के प्रति सम्मान तथा परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का भाव जैसे पारिवारिक मूल्यों को उजागर करता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) असहमति (ख) निराशा (ग) अनावश्यक (घ) अस्वीकार (ङ) अविश्वास (च) असंतुष्ट

2. (क) रुपए – पुल्लिंग (ख) त्याग – पुल्लिंग (ग) मर्यादा – स्त्रीलिंग (घ) कमाई – स्त्रीलिंग (ङ) आदमी-पुल्लिंग

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii) (ङ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1,2,3,5. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल थी। उनका कार्यकाल 25 जुलाई, 2007 से 25 जुलाई, 2012 तक था।

पाठ 4. मुतांदी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. राजा साहब का वास्तविक नाम खंडासामी चित्तीयार था।
2. शंकरन राजा साहब का बेटा था।
3. शंकरन की पत्नी का नाम राधा था।
4. मुतांदी शंकरन के बेटे के लिए सोने के दो कड़े लेकर आया था।

III. लिखित कौशल

1. (क) राजा साहब ने अपने बेटे का पालन-पोषण बड़े लाड़-प्यार से किया था।

   (ख) मुतांदी राजा साहब का रसोइया था।

   (ग) मुतांदी शंकरन को अपने कंधों पर बैठाकर गाँव भर में घुमाता था। उसे अपने हाथों से दाल-भात खिलाता। शंकरन की देखभाल वह अपनी संतान की तरह करता था।

   (घ) मुतांदी ने मुनीम जी से मिली रकम से अपने गाँव में घर और ज़मीन खरीद ली।

   (ङ) मुतांदी का वेतन बढ़ाए जाने वाली बात राधा को पसंद न आई। उसने शंकरन से कहा था कि इसमें वेतन बढ़ाने की क्या बात है? हम दो ही तो लोग हैं। घर का काम थोड़े ही बढ़ गया है जो उनका वेतन बढ़ाया जाए।

   (च) राधा मुतांदी के घर छोड़कर चले जाने से प्रसन्न हो रही थी।

   (छ) मुतांदी शंकरन के घर उत्सव पर आया था। उसने सोने के दो कड़े राधा को देते हुए कहा, "बहू। ये मेरे पोते के लिए हैं। इन्हें इसे पहना देना।" इतना कहकर मुतांदी बाहर की ओर निकल पड़ा। यह सब देखकर राधा की आँखें भर आई थीं।
2. (ख) (क) (घ) (च) (छ) (ग) (ङ)
3. (क) शंकरन ने राधा से कहा, क्योंकि वह मुतांदी का वेतन बढ़ाने पर विरोध कर रही थी।

   (ख) मुतांदी ने शंकरन से कहा, क्योंकि शंकरन उन्हें गाँव भेजना चाहता था।

   (ग) राधा ने शंकरन से कहा, क्योंकि मुतांदी बिना कुछ खाए जा रहा था।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से राजा साहब के बारे में यह पता चलता है कि वे अपने नौकर को भी अपने परिवार का अभिन्न अंग मानते थे तथा उससे प्रेमपूर्वक व्यवहार करते थे। उनका यह स्वभाव उनके व्यक्तित्व की उदारता को प्रकट करता है।
2. राधा के व्यवहार में आया बदलाव यह दिखाता है कि कोई भी इनसान बुरा नहीं होता। जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, उसके मन में किसी के प्रति उत्पन्न बदले की भावना समाप्त होती जाती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) जन्म का दिन, तत्पुरुष समास

   (ख) प्रत्येक दिन, अव्ययीभाव समास

   (ग) नाक और नक्शा, द्वंद्व समास

   (घ) रसोई के लिए घर, तत्पुरुष समास

   (ङ) दाल और भात, द्वंद्व समास

   (च) सबसे ऊपर, तत्पुरुष समास

   (छ) खाना और पीना, द्वंद्व समास

2. (क) मर जाना – राजा साहब ईश्वर को प्यारे हो गए थे।
   (ख) आँसू आना – शंकरन की बातें सुनकर मुतांदी की आँखें भर आईं।
   (ग) अत्यधिक क्रोधित होना – राधा की बात सुनकर शंकरन का चेहरा तमतमा गया।
   (घ) बहुत खुश होना – मुतांदी उत्सव में आकर खुशी से फूला न समाया।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)
4. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iv) (घ) (i) (ङ) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. **बाएँ से दाएँ–** (1) मालकिन (2) चाचा (4) शंकरन
   ऊपर से नीचे– (1) मालिक (3) चालीस

2-3. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 5. मेरा नया बचपन

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. कवयित्री को अपना बचपन याद आ रहा है।
2. इस कविता के रचनाकार का नाम सुभद्राकुमारी चौहान है।
3. कवयित्री की बेटी ने 'माँ ओ' कहकर आवाज़ लगाई थी।
4. कवयित्री का बचपन बेटी के बचपन के रूप में आया।

III. लिखित कौशल

1. (क) बचपन में किसी बात की चिंता नहीं रहती। खेलना-कूदना और मौज-मस्ती करना बचपन के आनंद हैं इसलिए कवयित्री को बचपन की याद बार-बार आ रही है।
   (ख) बचपन में ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा आदि का ज्ञान नहीं होता है।
   (ग) कवयित्री को अपना बचपन बहुत प्यारा है क्योंकि बचपन चिंतारहित होता है इसलिए कवयित्री पुन: बच्ची बन जाना चाहती हैं।
   (घ) कवयित्री की बिटिया उन्हें मिट्टी खाने को दे रही थी।
   (ङ) कवयित्री अपनी बिटिया में अपना बचपन जी कर बचपन का आनंद लेती हैं।
   (च) विद्यार्थी स्वयं करें।
   (छ) विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) बचपन में सब चिंतारहित खेलते-खाते हैं तथा बिना किसी डर के आज़ाद होकर घूमते हैं। अत: बचपन का वह अतुलित आनंद भुलाया नहीं जा सकता।
   (ख) बेटी का अंग-अंग पुलकित हो रहा था और उसकी भोली आँखों से उत्सुकता छलक रही थी। मुँह खुशी से लाल हो रहा था। ऐसे लगता था जैसे बेटी को मिट्टी खाने जैसे काम पर गर्व महसूस हो रहा था।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. बिटिया के आने से कवयित्री बहुत आनंदित हुईं। इससे पता चलता है कि कवयित्री अपनी बिटिया से बहुत प्यार करती हैं तथा वे अपनी बेटी के रूप में अपना बचपन फिर से पाकर खुश हैं।
2. यह सत्य है कि बचपन किसी के भी जीवन की सबसे आनंदित यादें होती हैं। बचपन मस्ती और खुशी से भरा होता है। बचपन में कोई चिंता नहीं होती। बस खेल-कूदना और मौज-मस्ती ही होती है। इसके अलावा मनचाही खाने की वस्तुएँ मिलती हैं। बड़ों से लाड़-प्यार मिलता है। बचपन में किसी प्रकार का कोई डर नहीं होता।

VI. भाषा कौशल

1. (क) भुलावा (ख) आनंदित (ग) रुलाई (घ) सरलता (ङ) तुतलाहट (च) बचपन
2. (क) की (ख) को (ग) के (घ) का (ङ) की (च) को (छ) के
3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) अश्रु (ख) अमृत (ग) अतुलित (घ) अपनापन

2-7. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 6. नादान दोस्त

I. श्रुतलेखन

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. केशव और श्यामा भाई-बहन थे।
2. चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे।
3. केशव ने टोकरी का सूराख बंद करने के लिए उसमें थोड़ा-सा कागज़ ठूँस दिया।
4. स्टूल के चारों पाये बराबर नहीं थे इसलिए ज़रा-सा दबाव पड़ने पर वह हिल जाता था।
5. केशव ने तीन अंडे देखे।
6. अंडे ज़मीन पर चिड़िया ने गिरा दिए थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) चिड़ा और चिड़िया को देखकर केशव और श्यामा के मन में भाँति-भाँति के प्रश्न उठते– अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? उनमें से बच्चे कैसे निकल आएँगे? बच्चों के पंख कैसे निकलेंगे? घोंसला कैसा है?

(ख) चिड़िया बेचारी इतना दाना कहाँ से ला पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भरे! यही सोचते हुए दोनों भाई-बहन के मन में यह विचार आया कि छोटे बच्चे भूख के मारे चूँ-चूँ कर मर जाएँगे।

(ग) श्यामा माँ से आँख बचाकर मटके से चावल निकाल लाई तथा केशव ने पत्थर की प्याली का तेल चुपके से ज़मीन पर गिरा दिया और उसे साफ़ करके उसमें पानी भरा। इस प्रकार दाना-पानी का इंतज़ाम किया गया।

(घ) टोकरी के सूराख में थोड़ा-सा कागज़ ठूँस दिया गया और टोकरी को टहनी से टिकाकर घोंसले पर आड़ कर दी गई। इस तरह से अंडों को धूप से बचाने का उपाय किया गया।

(ङ) केशव ने स्टूल पर चढ़कर छज्जे पर देखा कि वहाँ थोड़े-से तिनके बिछे हुए हैं और उनपर अंडे पड़े हैं।

(च) धोती का टुकड़ा लेकर केशव ने उसकी कई तहें की तथा एक गद्दी बनाई। गद्दी को तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उसपर रख दिए।

(छ) श्यामा ने कमरे में आकर सूचना दी कि अंडे नीचे पड़े हैं तथा बच्चे उड़ गए।

(ज) माँ ने दोनों बच्चों को बताया कि छूने से चिड़िया के अंडे गंदे हो जाते हैं। वह फिर उन्हें नहीं सेती। यह बात सुनकर केशव को कई दिनों तक अपनी भूल का पश्चात्ताप होता रहा। वह कभी-कभी रो भी पड़ता था।

2. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत (च) गलत

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. भले ही केशव और श्यामा की नादानी के कारण अंडे टूट गए परंतु अंडों की चिंता करना, छोटे-छोटे बच्चों के चुग्गे का ख्याल, अंडों की हिफ़ाज़त करना आदि पक्षियों के प्रति उनकी प्रेम भावना को प्रकट करता है।
2. इस पंक्ति से यह पता चलता है कि माँ बच्चों को डाँट नहीं रही थीं बल्कि उन्हें प्यार से समझा रही थीं। माँ समझ गई थीं कि केशव को अपनी भूल पर पछतावा हो रहा है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) चढ़ेगा (ख) अंडे (ग) ज़रा (घ) दबी (ङ) तीन (च) स्टूल (छ) अभी
2. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग (च) स्त्रीलिंग (छ) पुल्लिंग
3. (क) भगत सिंह फ़िल्म में अजय देवगन के <u>अभिनय</u> की सभी ने प्रशंसा की।

(ख) भारत माता को आज़ाद कराने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने न जाने कितने <u>कष्ट</u> सहे।

(ग) अपराधी को <u>दंड</u> दिया जाना आवश्यक है।

(घ) किसी ने आवाज़ लगाई, लगता है <u>द्वार</u> पर कोई खड़ा है।

(ङ) हिंसा करना पाप है। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) पहाड़ी मैना (ख) नीलकंठ (ग) सारस (घ) कोयल (ङ) राजहंस

2–7. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. ईमानदार बालक

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. सामान बेचने वाले बालक का नाम बसंत था।
2. कृष्ण कुमार राजकिशोर जी के परिचित थे।
3. प्रताप राजकिशोर जी का घर ढूँढ़ रहा था।
4. बसंत भीखू महाजन के घर में रहता था।

III. लिखित कौशल

1. (क) बसंत ने राजकिशोर जी के पास पहुँचकर कहा कि साहब! बटन लीजिए, देशी बटन! साहब! माचिस लीजिए!
   (ख) कृष्ण कुमार ने लड़के के बारे में राय दी थी कि बाज़ार के हर कोने पर आजकल ऐसे लड़के मिलते हैं जिनका काम गिड़गिड़ाकर लोगों को ठगना है।
   (ग) बसंत मोटरगाड़ी के नीचे आ गया था इसलिए रुपए छुट्टे कराकर वापस नहीं लौटा था।
   (घ) प्रताप ने अपने माता-पिता के बारे में बतलाया कि पिछले वर्ष जो दंगा हुआ था, उसमें हमारे माँ-बाप को किसी ने मार डाला था।
   (ङ) राजकिशोर जी ने मानसिंह को आदेश दिया कि मैं दक्खिन टोला जा रहा हूँ। तुम इसी समय डॉक्टर को लेकर वहाँ जल्दी आओ। भीखू महाजन का घर पूछ लेना।
   (च) डॉक्टर साहब ने बसंत के पैरों की जाँच करके कहा कि ऐसा लगता है कि एक पैर की हड्डी टूट गई है। इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।
   (छ) बसंत ईमानदार बालक है इसलिए राजकिशोर जी बसंत की मदद करना चाह रहे थे।
2. (ग) (ख) (घ) (च) (क) (ङ)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. बसंत मोटरगाड़ी के नीचे आकर घायल हो गया था इसलिए राजकिशोर जी के छुट्टे पैसे नहीं लौटा पाया था। बसंत को लगा कि कहीं राजकिशोर जी उसे चोर न समझें। इस वाक्य से बसंत के चरित्र के बारे में पता चलता है कि वह एक ईमानदार बालक है।
2. राजकिशोर जी ने ऐसा इसलिए कहा था यदि बसंत के साथ दुर्घटना न होती तो वह उनके पैसे लौटा देता। चोट लगने के बाद भी बसंत को पैसे न लौटा पाने का दुख है। इससे राजकिशोर जी के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे दूसरों के अंदर छिपे गुणों को पहचानने का अच्छा अनुभव रखते थे और गरीबों की मदद करने के लिए भी तैयार रहते थे।

VI. भाषा कौशल

1. (क) विशेषण (ख) सर्वनाम (ग) सर्वनाम (घ) सर्वनाम (ङ) विशेषण (च) सर्वनाम (छ) सर्वनाम (ज) विशेषण
2. (क) भिक्षा (ख) भ्राता (ग) कार्य/कर्म (घ) अस्थि
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (i)
4. (क) 14 साल से कम आयु के बच्चों से उनकी इच्छा के विरुद्ध श्रम या अन्य कोई काम करवाने को बाल शोषण कहते हैं।
   (ख) कैलाश सत्यार्थी 'बचपन बचाओ आंदोलन' के जनक हैं।
   (ग) बाल अधिकारों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए तथा उनके बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के कारण उन्हें नोबेल पुरस्कार दिया गया।
   (घ) पिता, तात।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-4. विद्यार्थी स्वयं करें।

5. (क) परिचय, परिचित (ख) बेहोश, होश (ग) ईमानदार, बेईमान (घ) टोला, टोली (ङ) भला, भलाई

पाठ 8. सरिता का जल

I. श्रुतलेख

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. यह कविता सरिता के जल से संबंधित है।
2. इस कविता में गंगा, यमुना तथा सरयू नदियों के नाम आए हैं।
3. इस कविता के रचयिता गोपाल सिंह 'नेपाली' हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) तन, सरिता (ख) शीतल, अविरल
2. (क) नदी का जल निरंतर बहता रहता है। उसका कोई निश्चित रास्ता नहीं है। लहरें बिना थके, बिना रुके उठती-गिरती रहती हैं इसलिए नदी को तन का चंचल और मन का विह्‌वल कहा गया है।

   (ख) कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि जल की तेज़ धार न जाने कितनी ही बाधाओं को पार करके आगे बढ़ती जाती है। वह बार-बार उठती है गिरती है मगर हार नहीं मानती।
3. (क) सरिता का बहता हुआ जल पेड़ों की जड़ों को सींचते हुए, जल की छोटी-छोटी धाराओं से आलिंगन करते हुए, जल-कुंडों में नृत्य करते हुए, अपना विविध रूप परिवर्तन करते हुए आगे बढ़ता जाता है।

   (ख) हिमखंडों के पिघलने से निर्मित जल धरती तक आते-आते निर्मल हो गया है। इसे पीकर बेचैन पथिक आराम पाता है। प्रतिदिन बहता हुआ भी सरिता का जल शीतल बना हुआ है।

   (ग) भारतमाता का धरातल (हृदय) बहुत कोमल, जीवन रक्षक और स्नेह देने वाला है। इसका शीतल जल तृप्त करने वाला है। इसकी नदियों का जल लगातार युगों-युगों से बहता रहता है।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कविता से यह संदेश मिलता है कि हमें नदी की भाँति सदैव गतिशील रहना चाहिए। हमें अपना व्यवहार कोमल रखना चाहिए तथा दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए।
2. हमें ज़रूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। जो दूसरों के लिए जीते हैं उन्हीं का जीवन सार्थक माना जाता है। सरिता का बहता हुआ जल परोपकार, दया जैसे मानवीय मूल्यों को उजागर करता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) इस नदी का पानी स्वच्छ, निर्मल और शीतल है।

   (ख) अहा! नदी का जल कितना शीतल है।

   (ग) गंगा, यमुना, सरयू और गोमती भारत की प्रमुख नदियाँ हैं।

   (घ) क्या तुम नदियों को प्रदूषण से बचाना चाहोगे?

   (ङ) किसने कहा कि नदियाँ पवित्र नहीं हैं?

   (च) नदी की लहरें बार-बार उठ गिर रही हैं।
2. (क) कठोर – गुणवाचक (ख) निर्मल – गुणवाचक (ग) मृदु – गुणवाचक

   (घ) कुछ – अनिश्चित संख्यावाचक (ङ) तीनों – निश्चित संख्यावाचक
3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (i)
4. (क) कवि नया मार्ग अपनाने का आग्रह कर रहे हैं।

   (ख) जो लोग बने बनाए पुराने ढर्रे पर चल रहे हैं, अंधविश्वासों में जी रहे हैं और बिना सोचे-विचारे दकियानूसी रीति-रिवाज़ों को बढ़ावा दे रहे हैं उन लोगों को नया रास्ता बतलाना होगा।

(ग) कवि को इस बात का दुख है कि दुनिया आगे बढ़ती जा रही है और आज भी हम उन पुराने आदर्शों को पकड़े हैं जो हमारे रास्ते में रुकावट डाल रही है।

(घ) कवि हमें अपनी कल्पनाओं, विचारों और इच्छाओं में परिवर्तन लाने तथा नए विचार, नई कल्पना, नई कामना और नया मार्ग अपनाने के लिए कह रहे हैं।

(ङ) नया मार्ग/विद्यार्थी स्वयं करें।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. साबरमती, गोमती, नर्मदा, कावेरी, सतलुज, चंबल, सरयू, झेलम, महानदी, गोदावरी, गंगा, चिनाब

2–4. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. मुकदमा हवा-पानी का

I. श्रुतलेख

❖ विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. मुकदमा हवा और पानी पर चलाया गया था।
2. दरबार में महाराज, मंत्री, हवा, पानी बने दो बच्चे और कुछ लोग थे।
3. पहले पानी पर कार्रवाई की गई।
4. हवा से लोगों की पहली शिकायत थी कि हवा में आजकल खुशबू नहीं है। यह हर समय यहाँ-वहाँ बदबू फैलाती है।

III. लिखित कौशल

1. (क) पानी से लोगों को शिकायत थी कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। नदियों और नहरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है। पानी कहीं बरसता है, कहीं नहीं बरसता। इससे गाँव बाढ़ का शिकार हो जाते हैं।

   (ख) अधिक वर्षा के लिए कोई ज़िम्मेदार नहीं है। जो बादल बना है वह बरसेगा ही।

   (ग) पानी का न्याय करते समय महाराज ने लोगों से कहा कि तुम्हारा भला इसी में है कि अपनी गलतियाँ सुधारो और पानी को निर्मल तथा उपयोगी रहने दो।

   (घ) लोगों ने हवा पर आरोप लगाए कि हवा बदबू फैलाती है, अचानक चलकर उनकी आँखों में मिट्टी डाल देती है। आँधी बनकर घरों में रेत और कूड़ा भर देती है।

   (ङ) आँधी चलने के बारे में हवा ने दलील दी कि वैसे तो वह हर समय बहती है परंतु जिस तरह लोगों को गरमी लगती है तो वे पंखा चलाकर उसकी गति बढ़ा देते हैं। उसी तरह जहाँ हवा कम होती है तो वह तेज़ी से वहाँ जाती है।

   (च) मुकदमे के अंत में महाराज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि लोग हवा से दुखी तो हैं पर कसूर हवा का नहीं है। लोगों को सफ़ाई की आदत अपनानी होगी। तभी हवा दूषित होने से बचेगी। हमें हवा और पानी को अपना दोस्त मानकर उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ। इसमें ही हमारा भला और बचाव है।

2. (क) कार्रवाई (ख) रखवाली (ग) बरसेगा (घ) खुशबू (ङ) आदत (च) गैसें (छ) कसूर

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं। ये हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विभिन्न चीज़ों को प्राप्त करने का एक आधार है। ये हमारे जीवन को आरामदायक बनाते हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इनसे हमें खाद्य सामग्री और अन्य ज़रूरी जीवनोपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं।
2. वायु प्राणी जगत के जीवन का आधार है। परंतु वायु दूषित होने से इसके भयंकर परिणाम देखने को मिलते हैं। साँस के साथ जहरीली गैसें और धूल के कण शरीर के अंदर जाते हैं जिनसे कई प्रकार के रोग लग जाते हैं, जैसे– अस्थमा, कैंसर आदि। दूषित वायु से वायुमंडल में जहरीली गैसें फैल जाती हैं जो स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। भूमि की उर्वरता नष्ट हो जाती है। मनुष्य के साथ-साथ अन्य जीव-जंतुओं पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। उनकी प्रजातियाँ लुप्त होने लगती हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) स् + इ + ञ् + ह् + आ + स् + अ + न् + अ

   (ख) श् + इ + क् + आ + य् + अ + त् + अ

   (ग) द् + ऊ + ष् + इ + त् + अ

   (घ) ख् + उ + श् + अ + ब् + ऊ

   (ङ) म् + उ + श् + क् + इ + ल् + अ

2. (क) मृदा, मृत्तिका (ख) वायु, पवन (ग) ग्राम, देहात (घ) मित्रता, मैत्री (ङ) परिधान, लिबास (च) पर्वत, गिरि
3. (क) निर्मल (ख) खुशबू (ग) उपयोगी (घ) अनुकूल

4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

5. (क) सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ। जहाँ-जहाँ से नदियाँ गुज़रती गई वहाँ बस्ती, गाँव, नगर बसते चले गए। क्योंकि नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीवन का स्रोत भी हैं।

(ख) नदियाँ मानव, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों आदि सभी के जीवन का आधार हैं।

(ग) कारखानों से निकलने वाले रसायनों को नदियों में बहाने से, भक्ति के नाम पर नदियों को मैला करने से नदियाँ प्रदूषित होती हैं।

(घ) सरिता, तटिनी

(ङ) 'जल' मूल शब्द, 'ईय' प्रत्यय

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. पॉलीथीन

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. विशाखा ने।
2. कूड़ा प्रभाकर के ऊपर गिरा।
3. प्रभाकर ने विशाखा के पिता से शिकायत करने की बात कही।
4. विशाखा की माँ।
5. विकल्प के अनुसार असल समस्या बार-बार गलाकर बनाई गई पॉलीथीन की थैलियों की है।

III. लिखित कौशल

1. (क) प्रभाकर के गुस्से का कारण विशाखा द्वारा उन पर कूड़ा फेंकना था।
   (ख) नालियों की सफ़ाई ठीक से न हो पाने का मुख्य कारण पॉलीथीन की थैलियों को बताया।
   (ग) मंटू काका ने पॉलीथीन के प्रयोग के बारे में बताया कि पॉलीथीन की थैलियों और उससे बनी दूसरी चीज़ों को सुरक्षित ढंग से कचरे के डिब्बों में डालना चाहिए ताकि उसका वैज्ञानिक ढंग से निपटारा किया जा सके। सही रूप से निदान करने से लाभ भी होगा और प्रदूषण भी कम होगा।
   (घ) प्रभाकर ने बताया कि हर गली, हर दुकान के सामने ड्रम या कचरे के डिब्बे रखवाए जाएँ जिनकी सफ़ाई रोज़ की जाए। इन ड्रमों से कचरा और पॉलीथीन अलग-अलग कर उसका उचित निदान करना चाहिए। यह काम नगर निगम, पालिका या ग्राम पंचायतों को अपने हाथ में लेना चाहिए।
   (ङ) सुनयना ने पॉलीथीन की जगह कपड़े या मोटे कागज़ के थैलों का उपयोग करने का सुझाव दिया।
   (च) विशाखा ने माफ़ी माँगते हुए कहा कि आगे से मैं कूड़ा सड़क पर फेंकने की बजाय कूड़ेदान में डालूँगी।
2. (क) पुष्कर ने ऋषि से।
   (ख) सुनयना ने प्रभाकर से।
   (ग) मंटू काका ने विकल्प जी से।
   (घ) प्रभाकर ने विशाखा से।
3. (ख) (च) (घ) (ङ) (ग) (क)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. पॉलीथीन के उपयोग को कम करने के लिए दुकानदारों तथा लोगों को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी चाहिए। लोगों को कपड़े या कागज़ की बनी थैली का प्रयोग करना चाहिए। सरकार की ओर से पॉलीथीन पर रोक के प्रावधान का सख्ती से पालन करवाना चाहिए। पॉलीथीन का उपयोग करने वालों पर अधिक से अधिक जुर्माना लगाना चाहिए।
2. इस वाक्य द्वारा सतीश के व्यवहार के आपस में मिल-जुलकर समस्या का समाधान करने के पक्ष का पता चलता है। वह निष्पक्ष होकर समस्या का समाधान चाहता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) रस्सी, लस्सी (ख) गुब्बारा, डिब्बा (ग) मिट्टी, खट्टा (घ) गुड्डा, गुड्डी
2. (क) क्रम, भ्रम, प्रतिदिन (ख) कर्म, धर्म, कार्य (ग) ड्रम, ट्रेन, ड्रामा
3. (क) पर (ख) को (ग) में (घ) से, पर (ङ) की
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i)
5. (क) प्रदूषण का अर्थ है– पर्यावरण का दूषित होना।
   (ख) प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है जो कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। यह एक गैर बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है।

(ग) प्लास्टिक से पर्यावरण को नुकसान पहुँचता है। यह मानव, पशु-पक्षी के साथ-साथ पेड़-पौधों के लिए भी हानिकारक है। प्लास्टिक पदार्थों का प्रयोग न करके ही इसके हानिकारक प्रभाव से बचा जा सकता है।

(घ) परि + आवरण।

(ङ) खग, विहग

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 11. गालिब की डायरी का पन्ना

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. मिर्ज़ा गालिब उर्दू के शायर थे।
2. मिर्ज़ा असद-उल्लाह खाँ गालिब।
3. दस्तंबू मिर्ज़ा गालिब की एक डायरी है जिसका अर्थ है पुष्पगुच्छ अर्थात् बुके यानी गुलदस्ता।
4. बहादुरशाह जफ़र आखिरी मुगल बादशाह थे।
5. मेहरुन्निसा एक गरीब औरत थी जो मिर्ज़ा गालिब के पड़ोस में रहती थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) भारत की पहली जनक्रांति सन् 1857 में हुई थी।

   (ख) 'दस्तंबू' में गालिब ने उस समय की दिल्ली का हाल लिखा है जब 1857 में अंग्रेज़ों ने हज़ारों निर्दोष लोगों को आज़ादी की लड़ाई में मार डाला था।

   (ग) अंग्रेज़ों ने दिल्ली में आते ही सीधे-सादे लोगों को मारना शुरू कर दिया था। उनसे अपनी जान बचाने के लिए लोगों ने गली का दरवाज़ा बंद कर दिया था।

   (घ) कर्नल ब्राउन को जब पता चला कि मिर्ज़ा गालिब कविता लिखते हैं तो उन्हें छोड़ दिया गया। मिर्ज़ा गालिब ने कहा कि उनके पड़ोसी भी कविता लिखते हैं तो उनके साथियों को भी छोड़ दिया गया।

   (ङ) मिर्ज़ा गालिब का पड़ोसी हीरासिंह उन्हें मुश्किल घड़ी में हिम्मत बँधाता था। बालमुकुंद ने उनके बीमार होने पर हकीम को बुलाकर उनकी जान बचाई। मेरठ के दोस्त हरगोपाल ने उनके लिए नगद रुपए तथा गेहूँ की कुछ बोरियाँ भिजवाईं।
2. (क) (v) (ख) (iii) (ग) (vi) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (vii) (छ) (iv)
3. (क) कर्नल ब्राउन ने गालिब से।

   (ख) कर्नल ब्राउन ने सिपाहियों से।

   (ग) मिर्ज़ा गालिब ने कर्नल ब्राउन से।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. मिर्ज़ा गालिब के इस कथन से यह स्पष्ट है कि पानी का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। पानी के बिना जीवन असंभव है। अगर धरती पर पानी नहीं होगा तो जन-जीवन नष्ट हो जाएगा। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।
2. इस पाठ से मिर्ज़ा गालिब के स्वभाव के परोपकार, दयालुता, सहनशीलता, आपसी सौहार्दता आदि गुणों का परिचय मिलता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) धीरे (ख) गहरा लाल रंग (ग) दीपक (घ) वास्तविकता (ङ) प्रकार, नस्ल (च) हाव-भाव, देना
2. (क) शायरी (ख) प्यास (ग) पड़ोसी (घ) हकीम (ङ) दस्तंबू
3. (क) विशेषण (ख) भाववाचक संज्ञा (ग) सार्वनामिक विशेषण (घ) क्रियाविशेषण (ङ) व्यक्तिवाचक संज्ञा

   (च) भाववाचक संज्ञा (छ) विशेषण
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)
5. (क) 'दिल्ली केवल एक शहर का नाम नहीं बल्कि यह सभ्यता और संस्कृति का नाम है', लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि दिल्ली सभ्यता और संस्कृति से परिपूर्ण है। यहाँ की सभ्यता संस्कृति में लोग हज़ारों सालों से कुछ न कुछ जोड़ते आ रहे हैं।

   (ख) दिल्ली के रस्मों-रिवाज़ और उत्सवों से यहाँ के रहने वाले बाशिंदें तो प्रभावित ही हैं साथ-ही-साथ राजा और शासक भी प्रभावित हुए हैं।

(ग) इतिहास बताता है कि सूफ़ी संत हज़रत निजामुद्दीन औलिया और अमीर खुसरो जैसे लोग होली के त्योहार को पसंद करते थे और इनमें शामिल भी होते थे।

(घ) रीति-रिवाज़, निवासी, सारा

(ङ) सभ्यता और संस्कृति (विद्यार्थी स्वयं करें)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-3, 5-6. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. हुमायूँ = अकबर = जहाँगीर = शाहजहाँ = औरंगजेब = बहादुरशाह ज़फ़र

पाठ 12. भारत की अग्नि-पुत्री

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. टेस्सी थॉमस को 'अग्नि-पुत्री' तथा 'मिसाइल वुमन' नामों से जाना जाता है।
2. टेस्सी थॉमस को 'लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।
3. टेस्सी थॉमस सन् 1988 में 'अग्नि परियोजना' से जुड़ी थीं।
4. टेस्सी थॉमस डी॰आर॰डी॰ओ॰, हैदराबाद में कार्यरत हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) नारियों के संबंध में अब यह सोच नहीं रही कि नारियाँ घर की चारदीवारी के अंदर के कामों को ही कुशलतापूर्वक कर सकती हैं।

   (ख) बचपन में एक दिन टेस्सी थॉमस को स्कूल के बच्चों के साथ तिरुवनंतपुरम स्थित थुंबा रॉकेट स्टेशन दिखाने ले जाया गया था। वह दिन उनके लिए अविस्मरणीय दिन था जब उन्होंने वैज्ञानिक बनने का सपना देखा था।

   (ग) टेस्सी थॉमस ने गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिचूर से बी.टेक. और इंस्टीट्यूट ऑफ़ आर्मामेंट टेक्नोलॉजी, पुणे से एम॰टेक॰ की पढ़ाई पूरी की।

   (घ) टेस्सी थॉमस के अनुसार, जब उन्हें 'अग्नि-4' की टीम का प्रमुख चुना गया तब उनके वैज्ञानिक जीवन में महत्त्वपूर्ण मोड़ आया। 'अग्नि-4' की सफलता के बाद 'अग्नि-5' की टीम में भी उन्हें परियोजना निदेशक का भार सौंपा गया।

   (ङ) टेस्सी थॉमस ने अपने पिता के बारे में बताया कि जब वह आठवीं कक्षा में थी, वे लकवाग्रस्त हो गए थे। इस कारण उनका शेष जीवन बिस्तर पर ही बीता। सन् 1991 में उनका देहांत हो गया। वह उन्हें बराबर याद करती हैं क्योंकि जब उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई का निर्णय लिया तो सबसे पहले उन्होंने ही उनके इस निर्णय को सराहा था। इससे उन्हें बहुत आत्मबल मिला।

   (च) युवा महिलाओं के लिए टेस्सी थॉमस ने संदेश दिया है कि उनके लिए ज़रूरी है कि उनके अंदर सीखने की इच्छा हो और चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हो। तभी वे जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

2. (क) तेजस (ख) 2012 (ग) वेपन (घ) सराहा (ङ) नौ सेना

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. टेस्सी थॉमस के जीवन से हम प्रेरणा ले सकते हैं कि हमें दृढ़-संकल्पित होना चाहिए। हमारे अंदर कुछ नया सीखने की ललक कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। हमें अपना काम परिश्रम एवं लगन से करना चाहिए।
2. इस कथन से टेस्सी थॉमस के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे अपनी माँ से बहुत प्रेम करती थीं। टेस्सी की सफलता के पीछे उनकी माँ का अदृश्य योगदान छिपा हुआ है जिसे वे कभी भुला नहीं सकतीं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) सफलता (ख) पढ़ाई (ग) अपेक्षित (घ) ऐतिहासिक (ङ) वैचारिक/विचारणीय (च) साहसिक (छ) वैज्ञानिक (ज) प्रमुखता
2. (क) मिसाइलें (ख) नारियाँ (ग) महिलाएँ (घ) इच्छाएँ (ङ) चुनौतियाँ (च) प्रणालियाँ (छ) पत्रकारों (ज) खुशियों (झ) युवाओं (ञ) चुनौतियाँ
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (ii) (च) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) नाग (ख) पृथ्वी (ग) अग्नि (घ) त्रिशूल (ङ) ब्रह्मोस (च) आकाश

2-3. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. (क) भारत कोकिला (ख) अंतरिक्ष परी (ग) स्वर कोकिला/स्वर साम्राज्ञी (घ) उड़नपरी

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. अनोखी प्रतिभा: बैंजामिन फ्रैंकलिन

I. श्रुतलेख

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. बैंजामिन फ्रैंकलिन का जन्म 17 जनवरी, 1706 को बोस्टन में हुआ था।
2. फ्रैंकलिन के पिता साबुन और मोमबत्ती बनाने का काम करते थे।
3. फ्रैंकलिन को खराब मौसम का इंतज़ार था।
4. फ्रैंकलिन की मृत्यु 17 अप्रैल, 1790 में अमेरिका में हुई।
5. फ्रैंकलिन के अधिकांश आविष्कार रोज़मर्रा की आम समस्याओं को हल करने के दौरान हुए और यही बात उन्हें बहुत खास बनाती है।

III. लिखित कौशल

1. (क) बैंजामिन फ्रैंकलिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापकों में से एक थे।

   (ख) बैंजामिन फ्रैंकलिन आविष्कार करना चाहते थे कि आकाश में चमकने वाली बिजली और बिजली के तारों में बहने वाली बिजली, दोनों एक ही है।

   (ग) बैंजामिन फ्रैंकलिन ने रेशमी कपड़े से बनी पतंग आसमान में उड़ाई। पतंग के ऊपरी सिरे पर एक लंबा ताँबे का तार तथा पतंग की डोर में अंतिम छोर पर लोहे की एक चाबी बाँधी गई थी। खराब मौसम के कारण अचानक बिजली चमकी और पानी की बूँदों से पतंग की डोर भीग गई थी। फ्रैंकलिन ने अपनी छड़ी से चाबी को छुआ तो पूरे शरीर में बिजली का झटका महसूस हुआ। यह स्पष्ट हो गया कि आकाश में चमकने वाली बिजली भी तारों में बहने वाली बिजली ही है। इस प्रकार फ्रैंकलिन का आविष्कार साकार हुआ।

   (घ) फ्रैंकलिन छड़ को ऊँचे भवनों पर आकाशीय बिजली के झटके से बचाने के लिए लगाया जाता है। इससे मकान सुरक्षित रहता है।

   (ङ) बैंजामिन फ्रैंकलिन के अधिकांश आविष्कार रोज़मर्रा की आम समस्याओं को हल करने के दौरान हुए। उन्होंने बाइफोकल चश्मे का आविष्कार किया जिससे पास तथा दूर का दोनों ही देखा जा सकता है। मकानों में रोशनदान न लगे होने से बीमारी तुरंत फैलने का डर होता है। इसकी खोज भी उन्होंने ही की।

   (च) बैंजामिन फ्रैंकलिन की खोजों का मुख्य उद्देश्य उन्हें फैलाना था। उन्होंने अपने किसी भी आविष्कार को पेटेंट नहीं कराया।
2. (क) चाबी (ख) छायादार (ग) मौसम, खराब (घ) हलका झटका (ङ) लाभ (च) गणना, वैज्ञानिकों
3. (क) विलियम ने (ख) बैंजामिन फ्रैंकलिन ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) विद्‌यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. आविष्कारों का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। विज्ञान और नई-नई तकनीकों ने मनुष्य के जीवन को आसान बना दिया है। आज के आधुनिक युग में इन्हीं आविष्कारों के कारण मनुष्य का जीवन सुखी और सुविधाजनक हो गया है। नए-नए आविष्कारों के कारण मनुष्य अधिक से अधिक कार्य करके कामयाबी की नई ऊँचाइयों को छूने में सफल हुआ है।
2. इस वाक्य द्‌वारा बैंजामिन फ्रैंकलिन के व्यक्तित्व की समाज-सेवा की भावना प्रकट होती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) विद्‌युत, दामिनी (ख) धरा, पृथ्वी (ग) वस्त्र, वसन (घ) देह, काया (ङ) जल, नीर (च) तात, जनक
2. (क) बेहतर, ईन (ख) रेशम, ई (ग) दर्शन, इक (घ) विज्ञान, इक (ङ) सुरक्षा, इत (च) अंत, इम
3. (क) आम का फल, सामान्य (ख) समाधान, खेत जोतने का यंत्र

   (ग) पेड़ की शाखा, एक क्रिया शब्द
4. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i)

5. (क) आवश्यकता को आविष्कार की जननी माना जाता है।

(ख) जब तक किसी चीज़ की ज़रूरत महसूस न हो तब तक जीव उसके लिए प्रयास नहीं करता है।

(ग) विश्व में होने वाले नित नए आविष्कारों के कारण मानव जीवन बदलता जा रहा है।

(घ) मानव यह भूलता जा रहा है कि मानव निर्मित यांत्रिक सुविधाएँ उसके जीवन को सरल बनाने के लिए हैं न कि जीवन से दूर जाने के लिए। मानव ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि वह इन यांत्रिक सुविधाओं पर निर्भर होता जा रहा है।

(ङ) यंत्र + इक

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) चार्ल्स बैबेज (ख) अलेक्जेंडर ग्राहम बेल (ग) जोहान्स गुटेनबर्ग (घ) पोप सिलवेस्टर द्वितीय (ङ) जी. मार्कोनी

2. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. अंतिम युद्ध

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. रानी लक्ष्मीबाई ने दामोदर राव को सुरक्षित पहुँचाने का ज़िम्मा रामचंद्र देशमुख को दिया था।
2. दामोदर राव रानी लक्ष्मीबाई का दत्तक पुत्र था।
3. रानी लक्ष्मीबाई ने जूही को तोपखाने पर भेज दिया।
4. पेशवा की पलटन पर ब्रिगेडियर स्मिथ की पलटन ने आक्रमण किया।
5. घायल लक्ष्मीबाई को बाबा गंगादास की कुटी पर ले जाया गया।

III. लिखित कौशल

1. (क) रघुनाथसिंह ने मुंदरबाई से कहा कि रानी साहिबा का साथ एक क्षण के लिए भी न छूटने पावे। आज अंतिम युद्ध लड़ने जा रही हैं।

   (ख) रानी लक्ष्मीबाई ने रामचंद्र देशमुख को आदेश दिया कि दामोदर को आज तुम पीठ पर बाँधो। यदि मैं मारी जाऊँ तो इसको किसी प्रकार दक्षिण सुरक्षित पहुँचा देना। तुम्हें आज मेरे प्राणों से बढ़कर अपनी रक्षा की चिंता करनी होगी।

   (ग) जूही को अपने जीवन का यथोचित अभिनय न दिखला पाने का अफ़सोस रह गया था।

   (घ) अंग्रेज़ जनरल ने घुड़सवारों को कई दिशाओं में फैलाकर आक्रमण करने की योजना बनाई थी।

   (ङ) ब्रिगेडियर स्मिथ की पलटन रानी के पीछे-पीछे चल रही पेशवा की पलटन पर दो ओर से झपटी। इससे पेशवा की पलटन घबरा गई। उसके पैर उखड़ गए। अंग्रेज़ों की संगीनें और तोपें उस पलटन का संहार कर उठीं। पेशवा की दो तोपें भी उनलोगों ने छीन लीं।

   (च) तात्या टोपे कठिन-से-कठिन व्यूह में से होकर बच निकलने की रण-विद्या में निपुण थे।

   (छ) लड़ते-लड़ते घायल रानी आगे निकल गईं। उन्होंने सोनरेखा नाले की ओर घोड़े को बढ़ाया। कुछ अंग्रेज़ घुड़सवार उनके पीछे-पीछे थे। एक गोरे ने पिस्तौल निकाली और रानी पर दाग दी। गोली उनकी बाईं जाँघ में जा लगी। रानी ने बाएँ हाथ की तलवार फेंककर घोड़े की लगाम पकड़ी और दाएँ हाथ के वार से गोरे का काम तमाम कर दिया। रानी ने आगे बढ़ने के लिए घोड़े को एड़ लगाई। बहुत प्रयत्न करने पर भी घोड़ा अड़ा रहा। रानी को पीछे खिसकना पड़ा। जाँघ में बहुत पीड़ा हो रही थी। पेट और जाँघ के घाव से खून के फव्वारे छूट रहे थे। इस बीच एक अन्य अंग्रेज़ सैनिक आगे बढ़ा और उसने रानी के सिर पर तलवार का वार किया। इससे रानी बुरी तरह घायल हो गईं। इसपर भी उन्होंने उस घातक पर तलवार चलाई और उसका कंधा काट दिया। इसके बाद रानी वीरगति को प्राप्त हो गईं।

   (ज) रघुनाथसिंह ने देशमुख से कहा, "एक क्षण का भी विलंब नहीं करना चाहिए। अपने घोड़े पर इनको सावधानीपूर्वक रखो और बाबा गंगादास की कुटी पर ले चलो। सूर्यास्त होना ही चाहता है।"

   (झ) रघुनाथसिंह ने गुलमुहम्मद को समझाया, "कुँवर साहब, इस प्रकार भावुक होने से काम और बिगड़ेगा। अंग्रेज़ अब भी मारते-काटते दौड़-धूप कर रहे हैं। यदि आ गए तो रानी साहिबा की देह का क्या होगा।"

2. (क) रानी लक्ष्मीबाई ने रामचंद्र देशमुख से।

   (ख) रघुनाथसिंह ने रामचंद्र देशमुख से।

3. (क) शर्बत (ख) एड़ (ग) तोपें (घ) कटार (ङ) गंगादास

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. रानी लक्ष्मीबाई बहुत बहादुर थीं। अंग्रेज़ों की गुलामी उन्हें बिलकुल भी सहन नहीं थी इसलिए वे चाहती थीं कि मारी जाने के बाद भी अंग्रेज़ उनके शरीर को छू न पाएँ।
2. जूही के चरित्र में साहस, आज्ञापालन, निडरता तथा देश-प्रेम जैसे मानवीय गुणों की झलक मिलती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) अंतिम (ख) बैरी (ग) सुरक्षित (घ) होशियार (ङ) चिंतित (च) विधर्मी
2. (क) यथोचित – स्वर संधि (ख) उल्लास – व्यंजन संधि (ग) सूर्यास्त – स्वर संधि
   (घ) दुर्भाग्य – विसर्ग संधि (ङ) सूर्योदय – स्वर संधि (च) नमस्कार – विसर्ग संधि
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)
4. (क) गुरु का स्थान सबसे ऊँचा माना गया है।
   (ख) सिकंदर के गुरु अरस्तू थे।
   (ग) यात्रा करते समय अचानक समुद्र में ऊँची लहरें उठने लगीं और जहाज़ डगमगाने लगा।
   (घ) सिकंदर ने नाविक को पहले गुरु को बचाने के लिए कहा।
   (ङ) सिकंदर ने उत्तर दिया कि अगर मैं डूब जाता तो ज़्यादा हानि नहीं होती। आप मुझ जैसे कई सिकंदर बना सकते थे पर मैं आप जैसा गुरु नहीं बना सकता।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (1) मीरा कुमार (2) सुचेता कृपलानी (3) आनंदी बाई जोशी (4) किरण बेदी (5) सावित्री बाई फुले
   (6) सरोजिनी नायडू

2-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. गिरिधर की कुंडलियाँ

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. नाव में पानी भर जाए तो दोनों हाथों से उलीचना चाहिए।
2. जो बिना विचारे काम करता है उसे काम बिगड़ने के बाद पछताना पड़ता है।

III. लिखित कौशल

1. (क) कवि ने परमार्थ के कार्य के लिए अपना शीश भी गँवा देने की बात कही है।
   (ख) किसी काम को प्रारंभ करने से पहले बहुत सोच-विचार कर लेना चाहिए।
   (ग) बिना सोचे-समझे काम करने से काम बिगड़ जाता है और बाद में पछताना पड़ता है।
2. (क) गिरिधर कविराय कहते हैं कि बड़े व्यक्ति की यही पहचान होती है कि वह सभी के साथ अच्छा व्यवहार रखता है और अपनी इज़्ज़त बनाए रखता है।
   (ख) गिरिधर कविराय कहते हैं कि उस दुख को नहीं टाला जा सकता जो बिना सोचे-विचारे किसी काम को करने से उत्पन्न होता है। वह दुख हमेशा हृदय में खटकता रहता है।
3. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत
4. (क) (iii) (ख) (vi) (ग) (v) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (iv)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें दूसरों का उपकार करना चाहिए। हमें अपना व्यवहार कोमल रखना चाहिए तथा सोच-विचारकर ही कोई काम करना चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बिगाड़े (ख) दोनों (ग) वाणी/बोली (घ) पीछे (ङ) पछताना (च) काम
2. (क) खाना खाने से पहले अच्छी तरह हाथ धो लेने चाहिए।
   (ख) उसकी चाल बहुत धीमी थी इसलिए देर हो गई।
   (ग) हमें दूसरों के सुख में ही नहीं दुख में भी शामिल होना चाहिए।
   (घ) हमें अपना घर साफ़-सुथरा रखना चाहिए।
   (ङ) हमें अपने खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)
4. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (1) नौका (2) नाविक (3) काम (4) विश्व (5) चमक

2-3-6. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. कुंडलियाँ छह पंक्तियों की होती हैं तथा चौपाइयों में चार पंक्तियाँ होती हैं। कुंडलियाँ जिस शब्द से शुरू होती हैं उसी शब्द से समाप्त होती हैं।

पाठ 16. बोलने वाली रज़ाई

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. कपड़ों का व्यापारी सराय का पहला ग्राहक था।
2. एक दर्ज़ी सराय का दूसरा ग्राहक था।
3. मकान-मालिक ने दोनों लड़कों से किराया वसूलने के लिए उनकी रज़ाई ले ली थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) सराय के मालिक ने सराय के लिए चटाइयाँ, मेज़ें आदि एक कबाड़ी की दुकान से खरीदी थीं।
   (ख) व्यापारी के कमरे में दो आवाज़ें आ रही थीं। उसे लगा शायद भूल से सराय के मालिक के बच्चे कमरे में आ गए हैं। उसने मोमबत्ती जलाई और कमरे का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया। जब उसे विश्वास हो गया कि आवाज़ें रज़ाई में से आ रही हैं तो उसने जल्दी-जल्दी अपना सामान बटोरा।
   (ग) व्यापारी ने रज़ाई वाली बात सराय के मालिक से बताई।
   (घ) व्यापारी की बात सुनकर सराय के मालिक ने कहा, "जनाब! लगता है, आपको बुरे स्वप्न दिखाई दिए। कहीं रज़ाइयाँ भी बोलती हैं?"
   (ङ) सराय के मालिक ने खीझकर दर्ज़ी से कहा, "महोदय! मैंने आपको अधिक आराम पहुँचाने की कोशिश की, इसका बदला आप मुझे ऐसी बेवकूफ़ी से भरी कहानी सुनाकर चुकाना चाहते हैं।"
   (च) सराय का मालिक रज़ाई को लेकर कबाड़ी की दुकान पर गया, जहाँ से उसने उसे खरीदा था। उसके बाद वह कई दुकानों के चक्कर काटता रहा और अंत में एक छोटे-से मकान के पास पहुँचा। उस मकान के मालिक से पता चला कि यह रज़ाई एक किरायेदार से किराया वसूलने के लिए ली गई थी।
   (छ) रज़ाई को दोनों भाइयों की कब्र पर ओढ़ा देने के बाद आवाज़ें आनी बंद हो गई थीं।
2. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही (च) सही
3. (क) यह वाक्य कपड़ों के व्यापारी ने सराय के मालिक से कहा था।
   (ख) यह वाक्य दर्ज़ी ने सराय के मालिक से कहा था।
   (ग) यह वाक्य सराय के मालिक ने कपड़ों के व्यापारी से कहा।
   (घ) यह वाक्य मकान-मालिक ने दोनों लड़कों से कहा।
   (ङ) बड़े लड़के ने मकान मालिक से कहा।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. लोगों ने प्रण लेकर एक-दूसरे की सहायता करना एवं दूसरों के दुखों में काम आना जैसे मानवीय मूल्यों का परिचय दिया।
2. अगर लोग उन दोनों लड़कों की सहायता करते तो उनकी अकाल मृत्यु नहीं होती। किसी की सहायता करना मनुष्य का स्वाभाविक गुण होना चाहिए। अतः हमें मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करनी चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) संयुक्त (ख) मिश्र (ग) सरल (घ) मिश्र (ङ) संयुक्त (च) सरल
2. (क) क्या आपको ठंड लग रही है? (ख) हाँ, मुझे ठंड लग रही है। (ग) अब हम क्या करें?
   (घ) यात्री नाराज़ होकर चला गया। (ङ) क्यों, क्या बात है? (च) उसने चटाइयाँ, मेज़ें और रज़ाइयाँ खरीदी थीं।
   (छ) तुमने यह रज़ाई कहाँ से खरीदी थी?
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iii) (च) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. आय, सराय, हृदय, समय, महोदय, असहनीय।

2–5. विद्यार्थी स्वयं करें।

नमूना प्रश्न-पत्र

(पाठ 1 से 16 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

(क) शंकरन के घर बेटे ने जन्म लिया। उसके जन्मदिन का उत्सव था।

(ख) शंकरन ने, पता नहीं प्रेमवश या अनजाने में ही, मुतांदी को भी बेटा होने का समाचार भेज दिया था।

(ग) मुतांदी बालक को सोने के कड़े देना चाहता था।

(घ) अत्यधिक प्रसन्न होना।

(ङ) नाक और नक्शा।

2. **निर्देशानुसार कीजिए।**

(क) (i) मैंने उन्हें बधाई दी। (ii) सबने अपना काम कर लिया था। (ख) (i) चढ़ेगा (ii) अंडे (ग) (i) गहरा लाल (ii) असलियत

(घ) (iii) (ङ) (i) निर्मल (ii) चिंतित (च) (i) विदेश (ii) कायरता (छ) (i) महिलाएँ (ii) चुनौतियाँ

(ज) (i) वाणी (ii) पीछे (झ) (i) (ञ) (i) क्या आपको ठंड लग रही है? (ii) हाँ, मुझे ठंड लग रही है।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) व्यापारी की बात सुनकर सराय के मालिक ने कहा, "जनाब! लगता है, आपको बुरे स्वप्न दिखाई दिए। कहीं रज़ाइयाँ भी बोलती हैं?"

(ख) दूसरे कमरे में बैठी राधा मुतांदी के घर छोड़कर चले जाने से प्रसन्न हो रही थी।

(ग) सुनयना ने पॉलीथीन की जगह कपड़े या मोटे कागज़ के थैलों का उपयोग करने का सुझाव दिया।

(घ) टेस्सी थॉमस के अनुसार, जब उन्हें 'अग्नि-4' की टीम का प्रमुख चुना गया तब उनके वैज्ञानिक जीवन में महत्त्वपूर्ण मोड़ आया। 'अग्नि-4' की सफलता के बाद 'अग्नि-5' की टीम में भी उन्हें परियोजना निदेशक का भार सौंपा गया।

(ङ) भले ही केशव और श्यामा की नादानी के कारण अंडे टूट गए परंतु अंडों की चिंता करना, छोटे-छोटे बच्चों के चुग्गे का ख्याल, अंडों की हिफ़ाज़त करना आदि पक्षियों के प्रति उनकी प्रेम भावना को प्रकट करता है।

4. विद्यार्थी स्वयं करें। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु –** (i) पर्यटन क्या है? (ii) पर्यटन के स्थल देश-विदेश (iii) पर्यटन से लाभ (iv) पर्यटन महानगरों का प्रचलन

अथवा

संकेत-बिंदु – (i) स्वास्थ्य क्या है? (ii) स्वस्थ रहना क्यों ज़रूरी है? (iii) अच्छा स्वास्थ्य कैसे रखा जा सकता है? (iv) स्वस्थ जीवन और खान-पान के प्रति जागरूकता।

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र-1

(पाठ 1-8 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) जुम्मन कभी काम को बेगार की तरह नहीं किया करते थे क्योंकि गाँव में सभी को वे अपना मानते थे। कोई उनका भाई था तो कोई भतीजा, कोई नाती या तो कोई चाचा। कौन कब कितनी सिलाई देता है उन्हें इसकी चिंता नहीं थी।

(ख) श्यामा ने कमरे में आकर केशव को सूचना दी कि अंडे नीचे पड़े हैं तथा बच्चे उड़ गए।

(ग) पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से गोपाल कृष्ण गोखले जी की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने की अनुमति माँगी थी।

(घ) ईमानदारी तथा स्वाभिमान जैसे मानवीय गुणों का पता चलता है। जीवन में ये गुण आवश्यक हैं, इनसे ही एक अच्छे चरित्र का निर्माण होता है।

(ङ) नदी का जल निरंतर बहता रहता है। उसका कोई निश्चित रास्ता नहीं होता है। लहरें बिना थके, बिना रुके, उठती-गिरती रहती हैं। इसलिए नदी को तन का चंचल और मन का विह्वल कहा गया है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए।

(क) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि वसंत ऋतु में खेतों की क्यारियाँ सरसों और तीसी से हरी-भरी हो जाती है। फुलवारी रंग-बिरंगे फूलों से सज जाती है। गुलाब, गेंदा और रंग-बिरंगे फूल बागों में खिल जाते हैं। वसंत ऋतु का यह दृश्य बड़ा-ही मनोहारी लगता है।

(ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि कवयित्री अपने बचपन को सदियों से ढूँढ़ रही थीं, वही बचपन उसने अपनी बेटी के रूप में दोबारा पाया है। वह उसमें अपना बचपन देखती हैं। कवयित्री जब बड़ी हो गईं तो उन्हें लगता था कि उनका बचपन उन्हें कहीं छोड़कर भाग गया है और उसे खोजते-खोजते उन्होंने अपनी बेटी के रूप में बचपन को पा लिया था।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) अनुमति (ख) उत्सुक (ग) आनंद (घ) पुश्तैनी (ङ) टहनी (च) पब्लिक बूथ

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) तीन (ख) नदी (ग) अभी (घ) मेरे (ङ) वह (च) रौनक

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii) (ङ) (ii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) यह हमारा पुश्तैनी मकान है।

(ख) मेरे लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

(ग) माँ का वह अतुलित प्रेम भूला नहीं जा सकता।

(घ) पानी को साफ़ तथा निर्मल रखो।

(ङ) अपने सामान की स्वयं ही हिफ़ाज़त करो।

जाँच पत्र-2

(पाठ 9-16 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) पानी से लोगों को शिकायत थी कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। नदियों और नहरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है। पानी कहीं बरसता है, कहीं नहीं बरसता। इससे गाँव बाढ़ का शिकार हो जाते हैं।

(ख) सराय का मालिक रज़ाई को लेकर कबाड़ी की दुकान पर गया, जहाँ से उसने उसे खरीदा था। उसके बाद वह कई दुकानों के चक्कर काटता रहा और अंत में एक छोटे-से मकान के पास पहुँचा। उस मकान के मालिक से पता चला कि यह रज़ाई एक किरायेदार से किराया वसूलने के लिए ली गई थी।

(ग) बैंजामिन फ्रैंकलिन की खोजों का मुख्य उद्देश्य उन्हें फैलाना था। उन्होंने अपने किसी भी आविष्कार को पेटेंट नहीं कराया।

(घ) अंग्रेज़ों ने दिल्ली में आते ही सीधे-सादे लोगों को मारना शुरू कर दिया था। उनसे अपनी जान बचाने के लिए लोगों ने गली का दरवाज़ा बंद कर दिया था।

(ङ) युवा महिलाओं के लिए टेस्सी थॉमस ने संदेश दिया है कि उनके लिए ज़रूरी है कि उनके अंदर सीखने की इच्छा हो और चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हो। तभी वे जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

2. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे?

(क) कपड़ा व्यापारी ने सराय के मालिक से कहा।

(ख) हवा ने आदमी से कहा।

(ग) प्रभाकर ने सुनयना से कहा।

(घ) देशमुख ने बालक दामोदर राव से कहा।

3. पाठ के आधार पर लिखिए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत।

(क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) गलत (च) सही

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) उसकी (ख) भूख (ग) ध्यानपूर्वक (घ) निकलकर (ङ) बोलने वाली रज़ाई (च) सुरक्षित

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) बहुत डर जाना– पुलिस को देखकर चोर थर-थर काँपने लगा।

(ख) आशंका होना– घर का ताला टूटा देखकर मेरा माथा ठनका।

(ग) मार डालना– झाँसी की रानी ने युद्ध में अंग्रेज़ अफसर का काम तमाम कर दिया।

(घ) हौसला बढ़ाना– जब मेरा मित्र परीक्षा में असफल हुआ तो मैंने उसकी हिम्मत बँधाई।

(ङ) हिम्मत हारना– महाराणा प्रताप की हिम्मत देख दुश्मनों के पाँव उखड़ने लगे।